भारतीय भाषा केन्द्र, उत्तराखण्ड

ICSSR

चित्रकला विभाग

एम.के.पी. (पी.जी.) कालेज

देहरादून द्वारा आयोजित

'श्रीराम' राष्ट्रीय कला उत्सव

19 से 25 सितम्बर 2025

डॉ. सरिता कुमार
प्राचार्या
एम.के.पी. (पी.जी.) कालेज, देहरादून

डॉ. ममता सिंह
संयोजिका (राष्ट्रीय संगोष्ठी)
सहयुक्त आचार्या एवं अध्यक्षा
चित्रकला विभाग

'श्रीराम' राष्ट्रीय कला उत्सव

19 से 25 सितम्बर 2025

19 सितम्बर- कला प्रदर्शनी, प्रात: 10 बजे

20 सितम्बर- राष्ट्रीय संगोष्ठी, पंजीकरण - प्रात: 8:30, उद्घाटन सत्र- प्रात: 10 बजे,समापन सत्र- सायं 5 बजे तक

21 सितम्बर- शोध पत्रों का ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण, 11-12 बजे प्रात:

22 सितम्बर- साहित्य, संगीत में श्री राम, 11 बजे प्रात:

23 सितम्बर- विविध भारतीय भाषाओं में श्री राम, 11 बजे प्रात:

24 सतिम्बर- राम धुन, 11 बजे प्रात:

25 सितम्बर- 'सबके राम नाटिका' एवं पुरस्कार सम्मान समारोह, 11 बजे प्रात:

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उप-विषय

- वाल्मीकि रामायण : आदर्श समाज
- तुलसीदास कृत रामचरित मानस : भक्ति, नीति, संस्कृति
- लोक परंपरा में श्रीराम
- मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम
- भारत की आध्यात्मिक और दार्शनिक चेतना में श्रीराम
- भारत की विविध भाषाओं में श्रीराम
- स्थापत्य, मूर्तिकार, चित्रकला में श्रीराम
- साहित्य की प्रेरणा श्रीराम
- प्राचीन भारत के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक परिप्रेक्ष्य में श्रीराम
- भारत की पर्यावरणीय दृष्टि और श्रीराम
- अयोध्या- आध्यात्मिक, एतिहासिक,सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
- रामराज्य और महात्मा गांधी
- स्वतंत्रता संग्राम में सांस्कृतिक प्रेरक श्रीराम
- राष्ट्रवाद और श्रीराम (स्वामी विवेकानंद, सावरकर, श्री अरबिंदोघोष के दृष्टिकोण के संदर्भ में)
- आधुनिक काल में साहित्य और कला में श्रीराम
- भारत के संविधान में श्रीराम के आदर्श
- भारत की शिक्षा नीति में श्रीराम के जीवन मूल्य
- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में श्रीराम (इंडोनेशिया, थाइलैंड, कंबोडिया, दक्षिण कोरिया, नेपाल आदि)
- रामराज्य की अवधारणा और समसामयिक लोकतंत्र
- रामायण काल और वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

संरक्षिका

डॉ. सरिता कुमार
प्राचार्या
एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलिज देहरादून

संयोजिका

डॉ. ममता सिंह
अध्यक्षा, चित्रकला विभाग
एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलिज देहरादून

सह-सचिव

सोनाली नेगी
शोधार्थी, चित्रकला विभाग

सपना कुनियाल
शोधार्थी, चित्रकला विभाग

समन्वय समिति

डॉ. पुनीत सैनी
प्रो. आलोक भावसार
डॉ. नीतू त्रिपाठी

प्रो. एस.सी. जोशी
डॉ. अलका मोहन शर्मा
डॉ. हरिओम शंकर

डॉ. शालिनी उनियाल
प्रो. डी.एस. बिष्ट
डॉ. रीता तिवारी

आयोजन समिति

डॉ. एल्वीदास
डॉ. आरती सिसौदिया
डॉ. कंचन मैनवाल

डॉ. नीशू भाटी
डॉ. विनीता दहिया
डॉ. तूलिका चन्द्रा
डॉ. मोनिका भटनागर

डॉ. मीनाक्षी शर्मा
श्रीमती पूनम सिंह
डॉ. एकता बिष्ट
डॉ. शशि सिंह

गजेन्द्र सिंह शेखावत
Gajendra Singh Shekhawat

सत्यमेव जयते

संस्कृति मंत्री एवं पर्यटन मंत्री
भारत सरकार
Minister of Culture and
Minister of Tourism
Government of India

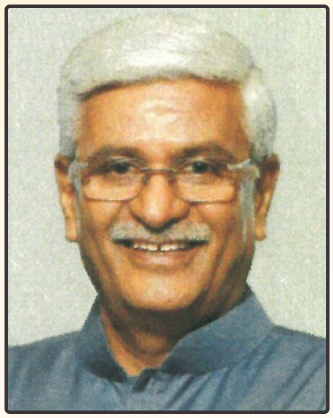

दिनाँक- 29/08/2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि चित्रकला विभाग, एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज द्वारा 20 सितम्बर से 27 सितंबर 2025 में भारतीय संस्कृति के प्राण श्री राम विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद सम्पोषित) का आयोजन किया जा रहा है। चित्रकला विभाग द्वारा स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 'श्री राम' राष्ट्रीय कला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें श्री राम वैचारिक चेतना, रंग-राग, कला प्रदर्शनी और रामकथा मंचन जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे जो भारतीय संस्कृति संवर्धन की दिशा अग्रेषित करेंगे। जिसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ उत्तराखण्ड के कलाकार तथा विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। यह भारतीय संस्कृति के संरक्षण संवर्धन की दिशा में यह एक सद्प्रयास है।

इस कार्यक्रम की सफलता के लिए मैं चित्रकला विभाग एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज समस्त सहयोगियों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

Ministry of Culture: Room No. 501, 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi-110001
Tel.: 91-11-23386765, 23381539, Fax : 91-11-23385115, E-mail : Office-hcm@gov.in
Ministry of Tourism: 301, Transport Bhawan, Parliament Street, New Delhi-110 001
Tel.: + 91-11-23710431, 2371969, Fax : +91-11-23731506

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून-248001
फोन : 0135-2650433
: 0135-2716262
फैक्स : 0135-2712827
कैम्प कार्यालय
फोन : 0135-2750033
: 0135-2750344
फैक्स : 0135-2752144

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून के चित्रकला विभाग द्वारा दिनांक 20 से 27 सितम्बर, 2025 तक भारतीय संस्कृति के प्राण श्रीराम विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह सात दिवसीय आयोजन भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। मुझे आशा है कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रीराम विषयक कला प्रदर्शनी, व्याख्यान, रामकथा मंचन तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशभर के प्रतिष्ठित कलाकारों एवं विद्वानों के साथ-साथ उत्तराखण्ड के छात्र-छात्राएँ अपनी प्रतिभा कलाकारों एवं विद्धानों के साथ-साथ उत्तराखण्ड के छात्र-छात्राएँ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मुझे यह भी आशा है कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रतिभागियों को भारतीय जीवन दर्शन एवं सांस्कृतिक धरोहर के प्रति और अधिक गहरी आस्था व प्रेरणा प्रदान करेगी।

इस अवसर पर मैं, राष्ट्रीय संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु आयोजकों, प्रतिभागियों और सभी सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(पुष्कर सिंह धामी)
04.09.2025

डॉ. धन सिंह रावत
मंत्री
चिकितसा स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा
सहकारिता, उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा,
विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
कक्ष सं० : 20
फोन : 0135-2666410 (का.)
फैक्स : 0135-2666411

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि चित्रकला विभाग, एम.के.पी. पी.जी. कालेज, द्वारा भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से भारतीय संस्कृति के प्राण 'श्रीराम' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। श्रीराम के जीवन मूल्य हमारे युवाओं के उद्देश्य परक जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह संगोष्ठी युवाओं में भारतीय संस्कृति के प्रति स्नेह सम्मान का भाव जागृत करेगी। इस अवसर पर एम.के.पी. पीजी कालेज और स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 'श्रीराम' राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन भी प्रशंसनीय है। जिसमें देश के विख्यात कलाकारों के साथ उत्तराखण्ड के युवा कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

मैं राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के सफल आयोजन हेतु आयोजकों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

04.09.2025

मदन कौशिक
MADAN KAUSHIK
सदस्य विधानसभा
एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा, उत्तराखण्ड
Member of Legislative Assembly
Ex. Cabinet Minister, U.K.
Ex. State President, BJP, U.K.

सदस्य विधान सभा
उत्तराखण्ड

कार्यालय/निवास
224बी, गली नं० 07 खन्ना नगर
ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

दिनाँक- 04/09/2025

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि चित्रकला विभाग (एम.के.पी.पी.जी. कॉलेज), स्नेहिल संस्था और भारतीय भाषा केन्द्र उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय संस्कृति के प्राण श्रीराम विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। श्रीराम के आदर्शों पर आधारित राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन भी प्रशंसनीय हैं जिसमें देश के विख्यात कलाकारों की कला क्षमता का लाभ उत्तराखण्ड के युवा कलाकारों को प्राप्त होगा। श्रीराम भारत की विविधता में एकता के सूत्र हैं और सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं, मुझे विश्वास है कि यह आयोजन हमारे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं।

Madan Kaushik

(मदन कौशिक)

खजान दास
विधायक
राजपुर रोड, देहरादून

सदस्य विधान सभा
उत्तराखण्ड

कार्यालय: 12-सी, एम.एल.ए. हॉस्टल,
रेसकोर्स, देहरादून, उत्तराखण्ड
निवास: 13/380, मोहित नगर, बसन्त विहार,
देहरादून-248001

दूरभाष : 0135-2621665
मो : 07579099069

दिनाँक- 09/09/2025

संदेश

श्रीराम भारत की विश्व में पहचान है, उनके दिखाए हुये पथ पर चलकर हम आदर्श समाज का निर्माण कर सकतें है। मुझे यह जानकर अत्यंन्त हर्ष हो रहा है कि चित्रकला विभाग एम.के.पी. (पी.जी.), कालेज, भारतीय भाषा केन्द्र एवं स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय संस्कृति के प्राण श्रीराम विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। युवाओं में कला संस्कृति के प्रति जागरूकता के लिए राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है। यह आयोजन निश्चित ही युवा पीढ़ी में संस्कारित जीवन शैली के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

सफल कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम संयोजिका डॉ. ममता सिंह तथा समस्त आयोजन समिति को अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं।

सादर

9/9/25

(खज़ानदास)

डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा
आई.ए.एस.
सचिव

उत्तराखण्ड शासन

तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा
उत्तराखण्ड शासन
04, सुभाष मार्ग, देहरादून
टेलीफोन : 0135-2659850
ई-मेल : ranjitksinha@gmail.com

अर्द्ध.शा. पत्र सं. 527 व.नि./त.स.शि./2025

दिनाँक- 12.09.2025

संदेश

श्रीराम भारतीय संस्कृति के प्रेरणास्रोत हैं। श्रीराम जीवन के आरंभ से अंत तक स्मरणीय हैं। विविधतापूर्ण देश में उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक एकता के सूत्रधार श्रीराम हैं।

मुझे अत्यंत हर्ष है कि चित्रकला विभाग एम.के.पी. पी.जी. कालेज द्वारा 'भारतीय संस्कृति के प्राण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी; भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद दिल्ली द्वारा संपोषित, भारतीय भाषा केंद्र उत्तराखण्ड एवं स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 19.09.2025 से 25.09.2025 तक कला उत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

संस्कृति संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन की सफलता हेतु कार्यक्रम संयोजिका एवं एमस्त आयोजन समिति को हार्दिक शुभकामनाएं।

(डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा)

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University
श्रीनगर (गढ़वाल) उत्तराखण्ड-246174, भारत
Srinagar Garhwal, Uttarakhand - 246174, India
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University)

प्रो. श्रीप्रकाश सिंह
कुलपति
Prof. Shri Prakash Singh
Vice Chancellor

Ref. No. : VC/HNBGU/20 /
Date: 15 / 09 / 2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून के चित्रकला विभाग द्वारा स्नेहिल संस्था एवं भारतीय भाषा केन्द्र उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद द्वारा संपोषित भारतीय संस्कृति के प्राण 'श्रीराम' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 19.09.2025 से 25.09.2025 तक किया जा रहा है तथा साथ ही इस सुअवसर पर 'विवरणिका' का प्रकाशन भी किया जा रहा है, जिस हेतु समस्त प्रकाशन मण्डल को मेरी शुभकामनायें।

सात दिवसीय श्री राम राष्ट्रीय कला उत्सव युवा, पीढ़ी में निज संस्कृति के प्रतिस्वाभिमान जागृत करने की दिशा में एक सद्प्रयास है। मुझे यह भी ज्ञात हुआ है कि कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित कलाकार एवं शिक्षाविद् तथा उत्तराखण्ड के कलाकार एवं विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

उक्त कार्यक्रमों के आयोजन एवं विवरणिका के सफल प्रकाशन हेतु समस्त संयोजक मण्डल को पुनः मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

प्रो. श्रीप्रकाश सिंह
कुलपति

अभिनव शाह, आई.ए.एस.
Abhinav Shah, I A S

उत्तराखण्ड शासन

मुख्य विकास अधिकारी, देहरादून
Chief Development Officer, Dehradun
फदूरभाष नं० : 0135-2712569 (का०)
Mob No. : 8057322222
E-mail : cdodoon@gmail.com

दिनाँक : 16/09/2025

संदेश

भारत विश्व का प्राचीनतम राष्ट्र है। भारत की संस्कृति अनादि है। श्रीराम भारतीय संस्कृति की समता, स्नेह, सहयोग की भावना के प्रतिरूप हैं। मुझे यह जानकार बहुत प्रसन्नता है कि चित्रकला विभाग, एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून द्वारा भारतीय संस्कृति की प्राण 'श्रीराम' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद दिल्ली द्वारा संपोषित) का आयोजन सितम्बर माह में किया जा रहा है, जिसमें देश के विख्यात शिक्षाविद सहभाग करेंगे। इस अवसर पर चित्रकला विभाग, और स्नेहिल के संयुक्त तत्वाधान में 'श्रीराम' राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रतिष्ठित कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन भी करेंगें और कला विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी किया जायेगा। कार्यक्रम संयोजिका एवं आयोजन समिति के समस्त सदस्यों के सफल आयोजन हेतु अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। यह आयोजन निश्चित ही विद्यार्थियों, कला प्रेमियों और प्रबुद्धजन के लिए उपयोगी होगा।

(अभिनव शाह) आई.ए.एस.
मुख्य विकास अधिकारी /प्राधिकृत नियंत्रक
एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून

उत्तराखण्ड शासन

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड

क्षेत्रीय कार्यालय, दून विश्वविद्यालय परिसर, देहरादून-248001

संयुक्त निदेशक

E-mail : jdhederhadun@gmail.com

दिनांक : 08.09.2025

संदेश

श्री राम भारतीय संस्कृति के गौरव है। भारत के प्रत्येक क्षेत्र में 'श्री राम' एक वैचारिक चेतना के रूप में समाए हैं। जीवन का कोई भी क्षण 'श्री राम' के स्मरण से अछूता नही है। साहित्य, संगीत कला के विविध आयामों में 'श्री राम' के दर्शन होते हैं। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि चित्रकला विभाग एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज देहरादून द्वारा 19 सितम्बर से 25 सितम्बर को भारतीय संस्कृति के प्राण श्री राम विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद् सम्पोषित) का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर चित्रकला विभाग द्वारा स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 'श्री राम' राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। सात दिवसीय कार्यक्रम में 'श्री राम' वैचारिक चेतना, रंग-राग और रामकथा मंचन जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ उत्तराखण्ड के कलाकार तथा विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। मुझे विश्वास है कि यह भारतीय संस्कृति के संरक्षण संवर्धन की दिशा में यह एक उल्लेखनीय प्रयास होगा। कार्यक्रम संयोजिका एवं समस्त आयोजकों को सफल आयोजन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं सम्प्रेषित करता हूँ।

प्रो. आनन्द सिंह उनियाल
संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा/
संयोजक एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज

उत्तराखण्ड शासन

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड

क्षेत्रीय कार्यालय, दून विश्वविद्यालय परिसर, देहरादून-248001

उप निदेशक
उच्च शिक्षा

दिनांक : 08.09.2025

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून के चित्रकला विभाग द्वारा 20 सितम्बर 2025 में 'श्री राम' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रामकला प्रर्दशनी, वैचारिक चेतना, रामकथा मंचन जैसे विविधि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। साथ ही उक्त सांस्कृतिक विषयों को संग्रहित कर, सार गर्भित पत्रिका 'विवरणिका' का प्रकाशन किया जा रहा है।

मैं महाविद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा किये जाने वाले नवाचारों के प्रयासों की सराहना करती हूं और समस्त महाविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूँ। मुझे आशा है कि यह कार्यक्रम महाविद्यालय परिवार एवं छात्राओं के सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित।

10/09/25

डॉ. ममता (ड्यूंडी) नैथानी
उप निदेशक (उच्च शिक्षा)
क्षेत्रीय कार्यालय
देहरादून।

डॉ. सुधा रानी पांडेय

एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी) पी.एच.डी. डी लिट

पूर्व कुलपति – उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय

पूर्व सदस्य – लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड

यू.जी.सी. एमेरिटस फैलो

दिनांक : 12.09.2025

संदेश

'राम नाम मणि दीप धरू, जीह देहरी द्वार
तुलसी भीतर बाहिरहुँ जौ चाहेसि उजियार

अत्यंत गौरव का विषय है एम.के.पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा श्रीराम राष्ट्रीय कला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय धर्मसाधना और संस्कृतिक चेतना के प्रखर मुखर संवाहक है। 'श्रीराम'।

ज्ञानभक्ति, धर्म कर्म तर्कपूर्ण वैज्ञानिक विचार राम की चिंतन परम्परा के पातेय है जो आज 21वीं सदी में भी जन–जन के प्राणाधार रूप में विद्यमान है।

आदिकाल के सृजन की मूल प्रेरणा रूप में महर्षि वाल्मीकि ने जिस करुण कथा को भारतीय जनमानस के आर्षचिंतन के प्रतीक रूप में विरचित किया है वह आज भी विराट वटवृक्ष की भांति साहित्य साधकों, धर्म प्रचेताओं दार्शनिओं और भक्तों के साथ–साथ घर–घर में जागृत तीर्थ की भांति विद्यमान है। रामाख्यानक साहित्य की परम्परा भारतीय आर्ष साहित्य की संचित निधि है। भारतीय भाषाओं सहित सम्पूर्ण विश्व की संस्कृति में राम कथानक इसका स्पष्ट साक्ष्य है।

राम को एक जीवनादर्श जीवन दर्शन समग्र विचार के रूप में परिकल्पित करने वाली परम्परा वाल्मीकि से लेकर तुलसीदास आधुनिक भारतीय भाषाओं सहित जगद्गुरु रामभद्राचार्य की अमरवाणी में आत्मा के संगीत के रूप में गूंज रही है। राम मानवधर्म के प्रचेता और प्रणेता के रूप में विद्यमान है राम का वही जीवन आदर्श और मानव धर्म आज भी भारतीय जनमानस के अंतर में रचा बसा जीवन राग है।

'रामो राजमणिसदा विजयते'

शुभकामनाओं सहित।

डॉ. सुधा रानी पांडेय

म.न. 5, लेन नं. 10 एक्सटेंशन, मोहित नगर, देहरादून।
मो.नं. +91 9411111855 e-mail.: drsudharanipandey@gmail.com

डॉ. सरिता कुमार
प्राचार्या

एम.के.पी. पी.जी. कालेज, देहरादून
फोन : 9897337586
ई-मेल : mkpdoon@gmail.com

दिनांक : 08.09.2025

संदेश

बहुत प्रसन्नता का विषय है कि एमकेपी (पीजी) कॉलेज, देहरादून में चित्रकला विभाग द्वारा दिनांक 20 सितंबर 2025 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय संस्कृति के प्राण – श्री राम' एवं 'श्रीराम' राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के प्राण और आदर्श पुरुष हैं। वे सत्य, मर्यादा और धर्म के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में संतुलन, न्याय और आदर्श कितने आवश्यक हैं। आज के युग में भी श्रीराम के जीवन-मूल्य हमें मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और हमारे राष्ट्रीय चरित्र को संबल देते हैं।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कला प्रदर्शनी का प्रायोजन कर आयोजकों ने भारतीय परंपरा और विचारधारा को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं इस संगोष्ठी की सफलता के लिए अपनी ओर से आयोजन समिति को शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ और आशा करती हूँ कि इससे शोधार्थियों, अध्यापकों और विद्यार्थियों को अमूल्य प्रेरणा प्राप्त होगी।

इस आयोजन की संयोजिका डॉ. ममता सिंह, विभागाध्यक्षा चित्रकला विभाग को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। उनके नेतृत्व और प्रयासों से यह कला उत्सव निश्चित रूप से शोध, विमर्श और प्रेरणा का एक सफल मंच बनेगा।

Sarita Kumar

- **डॉ. सरिता कुमार**
प्राचार्य
एम.के.पी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून

डॉ. ममता सिंह
एसो. प्रोफेसर
अध्यक्षा चित्रकला विभाग
एम.के.पी. पी.जी. कालेज, देहरादून

फोन : 9411727037
ई-मेल : mamta26arts@rediffmail.com

दिनांक : 09.09.2025

संदेश

जननी जन्म भूमिश्च् स्वर्गादपि गरीयसि।।

राष्ट्र प्रेम के उद्घोष का गुंजार करने वाले 'श्रीराम', भारतीय संस्कृति के आधार हैं, 'श्रीराम' भारतीय लोक जीवन में व्यवहार हैं, 'श्रीराम', पारिवारिक मूल्यों में शिष्टाचार हैं, 'श्रीराम', प्रेम के लिये स्वयं की सृष्टि से लड़ जाने वाले, अहंकार लोभ ईर्ष्या जैसे दोषों का उपचार हैं श्रीराम, परम योद्धा छवि अभिराम सियावर राम सबके राम, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, शबरी के राम, केवट के राम, सबके राम.....

चित्रकला विभाग, एम.के.पी. पी.जी. कालेज, उत्तराखण्ड भारतीय भाषा केन्द्र, स्नेहिल संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद द्वारा संपोषित 7 दिवसीय 'श्रीराम राष्ट्रीय कला उत्सव' (दिनांक 19 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 का आयोजन भारतीय संस्कृति के संरक्षण संवर्धन की दिशा में एक सद्प्रयास है।

कला उत्सव में 19 सितम्बर 2025 को 'श्रीराम' राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 20 सितम्बर 2025 को 'भारतीय संस्कृति के प्राण-श्रीराम-राष्ट्रीय संगोष्ठी, दिनांक 21 सितम्बर 2025 को ऑनलाईन शोधपत्र प्रस्तुतिकरण, 22 सितम्बर 2025 को साहित्य संगीत में श्रीराम, 23 सितम्बर 2025 को भारत की विविध भाषाओं में 'श्रीराम', 24 सितम्बर, 2025 को राम धुन, 25 सितम्बर 2025 को सबके राम' नाटिका मंचन तथा सम्मान समारोह जैसे विविध आयोजन हो रहे है।

आइए, हम सभी मां भारती की संतानें स्वयं को जागृत कर समस्त भारतीयों को जागृत करें। सम्पूर्ण विश्व में माँ भारती का यशोगान कर भारतीय संस्कृति की अमरता का उद्घोष करें। वंदे मातरम्।

डा. ममता सिंह
कार्यक्रम संयोजिका

Snehil
ICSSR

Snehil
ICSSR

Snehil
ICSSR
चित्रकला विभाग

Snehil
ICSSR

चित्रकला विभाग
एम.के.पी. (पी.जी.) कालेज
देहरादून द्वारा आयोजित
भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद द्वारा सम्पोषित
'श्रीराम' राष्ट्रीय कला उत्सव
में आपका हार्दिक स्वागत है।
दिनांक 19 से 25 सितम्बर

Snehil
ICSSR

हार्दिक स्वागत है।
19 से 25 सितम्बर 2025

हार्दिक स्वागत है।
19 से 25 सितम्बर 2025

19 से 25 सितम्बर 2025

ICSSR

भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित चित्रों की लगाई प्रदर्शनी

- एमकेपी पीजी कालेज में सात दिवसीय श्रीराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का शुभारंभ
- विश्व आज भारतीय संस्कृति की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है: शिक्षा मंत्री
- प्रोफेसर आलोक भावसार को स्नेहिल कलानिधि अवार्ड से सम्मानित किया गया

11 राज्यों के चित्रकारों ने प्रदर्शनी में किया प्रतिभाग

जागरण संवाददाता, देहरादून: एमकेपी पीजी कालेज में आयोजित सात दिवसीय श्रीराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में 11 राज्यों के प्रतिष्ठित चित्रकारों ने श्रीराम विषयक चित्रों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर आलोक भावसार को कला के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए स्नेहिल कलानिधि अवार्ड से सम्मानित किया गया। कला प्रदर्शनी के साथ-साथ संगोष्ठी, साहित्य, संगीत, नृत्य और अभिनय क्षेत्र के उत्कृष्ट कलाकारों को 25 सितंबर को सम्मानित किया जाएगा।

प्रदर्शनी का उद्घाटन शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने किया। उन्होंने श्रीराम के जीवन को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि श्रीराम एक आदर्श राजा, पुत्र, भाई और शिष्य रहे हैं, जिन्होंने हर क्षेत्र में उत्कृष्टता का परिचय दिया। उन्होंने यह भी कहा कि आज विश्व भारतीय संस्कृति की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है। विशेष अतिथि डा. आनंद सिंह उनियाल ने कालेज के व्यक्तित्व विकास के आयोजनों की सराहना की। प्रोफेसर आलोक भावसार ने कला के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर विचार साझा करते हुए कहा कला संस्कृति को संरक्षित करती है। संयोजक डा. ममता सिंह ने कला उत्सव के अंतर्गत कार्यक्रमों की जानकारी दी।

एमकेपी कालेज में श्रीराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के शुभारंभ पर स्मारिका का विमोचन करते कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डा धन सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि प्रो आलोक भावसार, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा डा आनंद सिंह उनियाल, कालेज प्राचार्य डा सरिता कुमार, कार्यक्रम संयोजिका डा ममता सिंह (बायें से दायें) • जागरण

25 सितंबर को होगा समापन समारोह

समापन समारोह 25 सितंबर को होगा, जिसमें विभिन्न वर्गों के श्रेष्ठ कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति ज्ञान परंपरा विषयक शोध पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। प्राचार्या डा. सरिता कुमार ने श्रीराम के जीवन की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख करते हुए युवाओं को प्रेरित किया। प्रदर्शनी 25 सितंबर तक आमजन के लिए खुली रहेगी। डा. अलका मोहन, सोनाली नेगी, सपना कुनियाल, डा. निशु भाटी, डा. कंचन मैनवाल, डा. हरिओम शंकर, डा. ओपी मिश्रा, डा. संगीता खुल्लर, ज्योत्सना शर्मा मौजूद रहे।

को लेकर

ले रुकवाए

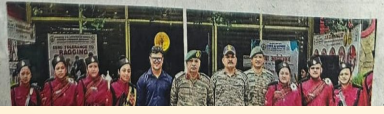

पुरस्कार राशि न मिलने से खिलाड़ियों में आक्रोश

श्रीराम राष्ट्रीय कला उत्सव में प्रदर्शनी का आयोजन

देहरादून, 19 सितम्बर (नवोदय टाइम्स) : एमकेपी पीजी कॉलेज चित्रकला विभाग, स्नेहिल संस्था और भारतीय भाषा केंद्र द्वारा आयोजित भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद संपोषित सात दिवसीय श्रीराम राष्ट्रीय कला उत्सव का उद्घाटन संपन्न हुआ। उत्सव के प्रथम दिन राष्ट्रीय शोध कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजिका डॉ. ममता सिंह ने कहा, जननी जन्म भूमिश्च स्वरगादपि गरीयसी से राष्ट्र प्रेम का उद्घोष करने वाले श्रीराम भारतीय संस्कृति के प्राण हैं। उत्सव में कला प्रदर्शनी, राष्ट्रीय संगोष्ठी, साहित्य संगीत में श्रीराम, नृत्य, अभिनय के आयोजन होंगे और श्रेष्ठ कलाकारों को समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. धन सिंह रावत ने कहा, श्रीराम का जीवन अनुकरणीय है, श्रीराम एक श्रेष्ठ राजा, एक अच्छे पुत्र, भाई, एक श्रेष्ठ शिष्य हैं, जिन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में आदर्श स्थापित किए। प्रोफेसर आलोक भावसार ने कहा, कला ही संस्कृति को संरक्षित करती है।

विशेष अतिथि डॉ. आनंद सिंह उनियाल संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा ने एमकेपी पीजी कॉलेज द्वारा निरंतर व्यक्तित्व विकास के आयोजन करने के लिए शुभकामनाएं दीं प्रोफेसर आलोक भावसार, डॉ. निशु भाटी, डॉ. कंचन मैनवाल, डॉ. हरिओम शंकर, डॉ. ओपी मिश्रा, डॉ. संगीता खुल्लर आदि मौजूद रहे।

चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि।

चित्रकला विभाग

एम.के.पी. (पी.जी.) कालेज

देहरादून द्वारा आयोजित

'श्रीराम'
राष्ट्रीय कला उत्सव

19 से 25 सितम्बर 2025

19 सितम्बर- कला प्रदर्शनी, प्रात: 10 बजे

20 सितम्बर- राष्ट्रीय संगोष्ठी, पंजीकरण - प्रात: 8:30, उद्घाटन सत्र- प्रात: 10 बजे,समापन सत्र- सायं 5 बजे तक

21 सितम्बर- शोध पत्रों का ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण, 11-12 बजे प्रात:

22 सितम्बर- साहित्य, संगीत में श्री राम, 11 बजे प्रात:

23 सितम्बर- विविध भारतीय भाषाओं में श्री राम, 11 बजे प्रात:

24 सितंबर- राम धुन प्रात:11 बजे

25 सितम्बर- 'सबके राम नाटिका' एवं पुरस्कार सम्मान समारोह, 11 बजे प्रात:

साहित्य और संगीत की सरगम के साथ गूंजा रामनाम

देहरादून: एमकेपी पीजी कालेज में आयोजित श्रीराम राष्ट्रीय कला उत्सव के चौथे दिन साहित्य और संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रीराम भक्ति का ऐसा माहौल बना कि पूरा परिसर राममय हो उठा।

संस्कार भारती के साहित्य कला विभाग प्रमुख राजकुमार उपाध्याय, नाट्य कला प्रांत प्रमुख नरेंद्र आहुजा, डा. सरिता कुमार, संयोजिका डा. ममता सिंह, डा. अर्चना डिमरी और डा. रचना दुबे ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संगीत विभाग की छात्राओं ने श्रीराम के 108 नाम और भावपूर्ण भजनों से सभी का मन मोह लिया। हिंदी विभाग ने विभिन्न कवियों की रचनाओं के माध्यम से संपूर्ण श्रीराम कथा प्रस्तुत की। अंग्रेजी विभाग ने 'राम-राम जय राजा राम' और संस्कृत श्लोकों के साथ विशेष प्रस्तुति दी। कार्यक्रम संयोजिका डा. ममता सिंह ने बताया कि 23 सितंबर को भारत की क्षेत्रीय भाषाओं में श्रीराम विषय पर कार्यक्रम आयोजित होगा। संचालन डा. अलका मोहन ने किया। डा. पुनीत सैनी, डा. शालिनी उनियाल, डा. आरती सिसौदिया, पूनम सिंह, शारदा, सोनाली नेगी, सपना, शशिबाला सिंह, खुशी सूद, राशि, शिवानी रावत, कृतिका, विमला, सतीश कुमार, जितेंद्र मौजूद रहे। (जासं)

स्मृतियाँ.....

अनुराधा ठाकुर ने विश्व के बनाया अपना स्थान, छात्रा:

देहरादून (नगर संवाददाता)। एमकेपी पीजी कॉलेज के चित्रकला विभाग में देश की विख्यात चित्रकार अनुराधा ठाकुर ने ततस्थलीय चित्र सृजन किया। कार्यक्रम संयोजिका डाक्टर ममता सिंह ने पूणे के

निकट अहमद नगर से पधारी चित्रकार का स्वागत करते हुए कहा कि देश की सौ वीमेन अचीवर्स में से एक आदिवासी संस्कृति को अपनी विशिष्ट शैली में प्रस्तुत करने वाली अनुराधा ठाकुर ने विश्व के कलाजगत में अपना स्थान बनाया है, उनके चित्र प्रधानमंत्री कार्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर अनुराधा ठाकुर ने एमकेपी पीजी कॉलेज में इंद्रधनुषी संसार को रचा है। इस अवसर पर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डाक्टर देवेंद्र भसीन ने कला और कलाकार के समाज के प्रति महत्व को

चित्रकला में इमित, आकांक्षा और मुस्कान ने मारी बाजी

एमकेपी पीजी कालेज में कला प्रदर्शनी आयोजित

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

एमकेपी पीजी कालेज के चित्रकला विभाग की ओर से वार्षिक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में इमित कौर, आकांक्षा रावत व मुस्कान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समापन पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री रमेश गड़िया ने कहा कि एक संपूर्ण किताब को, जीवन को एक कैनवास पर चित्रकार उकेर देता है। एमकेपी की छात्राओं ने लोककला के साथ-साथ वेस्ट मैटेरियल से सुंदर कलाकृतियों का निर्माण किया है, प्रशंसनीय है। कार्यक्रम संयोजिका डा. ममता सिंह ने चित्रकला विभाग की गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि छात्राओं द्वारा ईको फ्रैंडली कलाकृतियों के निर्माण से समाज को एक सार्थक संदेश दिया है। इस दौरान डा. ममता सिंह व डा. ज्योति सिंह की लिखित दो ने कहा कि विमोचित दोनों पुस्तकें कला विद्यार्थी एवं कला प्रेमियों क लिए उपयोगी सिद्ध होगी। चित्रकला विभाग द्वारा निरंतर पाठ्येत्तर गतिविधियों से स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त करेगी। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी के विजेताओं को मैडल, पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में इमित कौर, आकांक्षा रावत व मुस्कान ने प्रथम, खुशी, मानसी, गुंजन, खुशी बागरी ने द्वितीय और कनिका चौधरी, ताबिश गौरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विशेष प्रतिभा सम्मान मीरा, दिशा रावत, दिया, लक्ष्मी, दिया, कौशल्या, लक्ष्मी मौर्य, सुप्रिया, ज्योति, नेहा भट्ट, खुशबू, खुशी रावत को दिया गया। प्रदर्शनी के दौरान सोनाली, सपना कुनियाल, अविरल मलिक

प्रदर्शनी से दिया पर्यावरण संरक्षण का स

न्यूज ब्यूरो

कालेज माय चित्रकला विभाग कला प्रदर्शनी का आयोजन प्रदर्शनी में छात्राओं ने वेस्ट कोलाज पेंटिंग, आभूषण आदि । छात्राओं द्वारा बनाए गए बिक्री भी हुई है। तिवार को कला प्रदर्शनी का तौर मुख्य अतिथि दर्जा प्राप्त मधु भट्ट ने किया। उन्होंने कला कौशल की प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि डा. शशि झा ने विभागीय गतिविधियों को छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक बताया। प्रदर्शनी में छात्राओं ने कला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कथा कैनवास की अध्यक्ष माधवी ठाकुर छात्राओं के कोलाज पेंटिंग को खूब सराहा। प्राचार्य डा. सरिता कुमार ने चित्रकला विभाग द्वारा संचालित सस्टेनेबल आर्ट एड आन कोर्स को सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम संयोजिक डा. ममता सिंह ने कहा कि चित्र कला विभाग में निरंतर संस्कृति संरक्षण के कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इस दौरान विभागीय गतिविधियों पर आधारि का विमोचन भी किया गया। शशिबाला सिंह ने किया।

इस मौके पर डा. अर्चना शु संगीता खुल्लर, ज्योत्सना शर्मा, सैनी, डा. शालिनी उनियाल, डा. ए डा. तूलिका चंद्रा, डा. नीतू त्रिपा सिंह, डा. पूनम त्यागी, डा. सोनाली, सपना कुनियाल, शिवानं शालिनी बिष्ट, तनुजा, खुशी जोशं अनेक लोग मौजूद थे। प्रदर्शनी में गंगा, मधुबनी कला, मोनालिसा, अ शैली के आभूषण आकर्षण का केंद्र र

कला प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

एमकेपी कालेज के चित्रकला विभाग द्वारा वार्षिक कला प्रदर्शनी को देखतीं युवतियां • जागरण

- एमकेपी कालेज के चित्रकला विभाग की ओर से वार्षिक कला प्रदर्शनी एवं समारोह आयोजित
- ऐपण, गंगा, मधुबनी कला, मोनालिसा, आधुनिक शैली के आभूषण आकर्षण का रहे केंद्र

जागरण संवाददाता, देहरादून : एमकेपी पीजी कालेज के चित्रकला विभाग की ओर से वार्षिक कला प्रदर्शनी एवं समारोह में छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, पौधे की महत्ता, बेटी पढ़ाओ का संदेश देती हुई विभिन्न पेंटिंग से प्रतिभा को प्रदर्शित किया। ऐपण, गंगा, मधुबनी कला, मोनालिसा, आधुनिक शैली के आभूषण विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। आज भी प्रदर्शनी लोगों के लिए खुली रहेगी।

गुरुवार को कालेज के सभागार में दो दिवसीय समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तराखंड संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष मधु भट्ट, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कलाकार डा. शशि झा ने किया। मुख्य पेपर से बनी की-चेन, मिट्टी की मूर्ति के अलावा पर्यावरण, मानव जीवन और बेटी पढ़ाओ का संदेश देती पेंटिंग खास रही। वहीं, छात्राओं ने कैटवाक कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में विभागीय गतिविधियों पर आधारित कैटलाग का अतिथियों ने विमोचन किया। विशिष्ट अतिथि

मां की तरह धरती मां की चिंता करनी होगी : डा. ममता सिंह

- एमकेपी पीजी कालेज में पृथ्वी दिवस पर प्रबंधों पर की चर्चा
- छात्राओं ने कलाकृतियां उकेरकर पृथ्वी के संरक्षण का संदेश दिया

एमकेपी पीजी कालेज के सभागार में विश्व पृथ्वी दिवस आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि डाक्टर आनंद सिंह उनियाल, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा, साथ में कार्यक्रम अध्यक्ष डा सरिता कुमार व ममता सिंह • जागरण

जागरण संवाददाता, देहरादून : एमकेपी पीजी कालेज में पृथ्वी दिवस पर धरती को बचाने को लेकर विभिन्न प्रबंधों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम संयोजक डा. ममता सिंह ने कहा कि आज विकास की दौड़ में हम प्रकृति के प्रति अपने दायित्व को भूल गए हैं। कहा हमें जन्म देने वाली मां की तरह धरती मां की चिंता करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा के संयुक्त निदेशक डा. आनंद सिंह उनियाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए फिर से गांवों की ओर लौटने की बात कही। कहा कि किस प्रकार आज युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति को भूलकर स्वार्थी जीवन जी रही है, इस पर मनन करने की जरूरत है।

प्राचार्य डा. सरिता कुमार ने कालेज में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के लिए शिक्षकाओं व छात्राओं की प्रशंसा की। इस दौरान मुख्य अतिथि ने पौधारोपण भी किया। छात्रा शिवानी रावत, सुप्रिया यादव, राघवी चौधरी, तनीषा बिष्ट ने एक-एक पौधों को गोद लेकर संरक्षण का संकल्प लिया। हिंदी विभाग एवं जड़ी बूटी एग्रो संस्थान ने जल है तो कल है कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें डा. अलका मोहन शर्मा और दुर्गा प्रसाद सेमवाल का विशेष सहयोग रहा। विज्ञान विभाग की ओर से डा. मीनाक्षी शर्मा के निर्देशन में कविता पाठ का आयोजन किया गया। ईको रेस्टोरेशन क्लब की ओर से ज्योत्सना शर्मा एवं सदस्यों द्वारा ई वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर में डा. संगीता खुल्लर, डा. पुनीत सैनी, डा. शालिनी उनियाल, डा. एल्वी दास, डा.तूलिका चंद्रा, शशिबाला सिंह, सोनाली, सपना कुनियाल, जितेंद्र क्षेत्री, लाल सिंह

पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर किया संरक्षित

देहरादून : रायपुर ब्लाक स्थित राजकीय इंटर कालेज बुरांसखंडा में ईको क्लब की ओर से पृथ्वी दिवस पर रैली निकालकर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। प्रधानाचार्य नंदा बल्लभ पंत ने बताया कि मानवीय गतिविधियों के कारण पर्यावरण को होने वाले नुकसान के लिए हम सभी का संवेदनशील होना जरूरी है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह अपने आसपास का पर्यावण शुद्ध रखे। इस मौके पर ईको क्लब प्रभारी नेहा बिष्ट, सदस्य कमलेश्वर प्रसाद भट्ट, सुमन हटवाल और सहयोगी प्रियंका घनस्याला, वरिष्ठ प्रवक्ता आरके चौहान आदि रहे।

संस्कृति को बचाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा-के सी मालू

देहरादून, संवाददाता। माटी के रंग राष्ट्रीय लोक कला उत्सव में पांचवें चरण के रूप में जागृत लोक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री के सी मालू अध्यक्ष वीणा समूह जयपुर (राजस्थान रत्न) , ने अपने उद्बोधन मे कहा कि लोक को जीना जरूरी है और उसके लिए मिट्टी से जुड़ना होगा।

विशिष्ट अतिथि श्री मुकेश अग्रवाल राष्ट्रीय महासचिव सुर-संगम संस्था राजस्थान ने आज के आधुनिक युग में गांव की ओर लौटना होगा जिससे फिर से हम अपनी संस्कृति को जानें।

कार्यक्रम संयोजिका डॉ ममता सिंह ने बताया कि लोक कला उत्सव में छात्र छात्राओं की बड़ी संख्या में सहभागिता ने उत्सव को सार्थक किया है जिसमे 51 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए हैं और चयन समिति द्वारा चयनित शोध पत्रों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ गीता तिवारी, डॉ अलका मोहन शर्मा, डॉ पुनीत सैनी,डॉ मोनिका भटनागर ने किया। प्राचार्या डॉ सरिता कुमार ने

Dehradun, Uttarakhand
10 New Rd, M.K.P. P. G. College
Uttarakhand 248001, India
Lat 30.317671°
Long 78.044682°
12/05/23 01:55 PM GMT +05:3

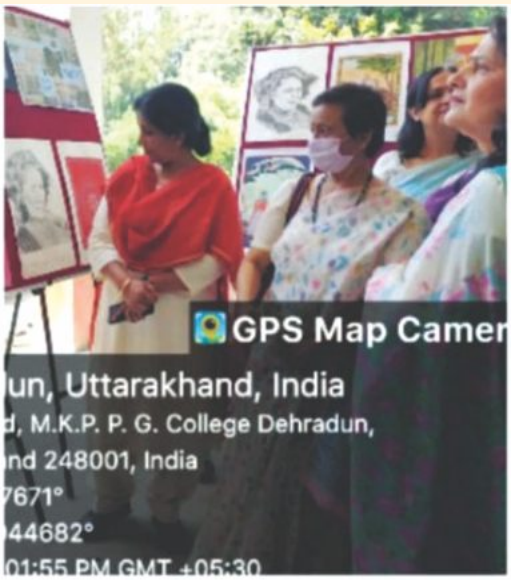
GPS Map Camer
un, Uttarakhand, India
d, M.K.P. P. G. College Dehradun,
nd 248001, India
7671°
44682°
01:55 PM GMT +05:30

G 20

M.K.P. (P.G.) College, Dehradun

विशेष सहयोगः

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

Himalaya HERBAL HEALTHCARE